Unit 02. Structure of the Mind (मन की संरचना)

Q. मन की संरचना क्या है? मन के विभिन्न अवधारणाएँ या स्तर को बताइए।

What is Structure of Mind? Explain level of Mind.

उत्तर- मन की संरचना (Structure of Mind) -

मन को गतिमान समग्र (dynamic whole) माना गया है।

मन का विकास मनुष्य की उम्र के साथ-साथ होता रहता है। मन व्यक्ति में पायी जाने वाली विभिन्न मानसिक और शारीरिक प्रक्रियाओं का समग्र रूप है।

अवलोकन (observation), चिन्तन (thinking), भावनाएं (feelings), पहचान (recognition), अधिगम (learning), स्मृति (memory), अवधान (attention), आदि सभी मानसिक क्रियाएँ और शारीरिक क्रियाएं मस्तिष्क द्वारा ही आदेशित, संचालित, और नियंत्रित होती हैं।

Mind has been considered as a dynamic whole.

The development of the mind continues with the age of a person. Mind is the totality of various mental and physical processes found in a person.

Observation, thinking, feelings, recognition, learning, memory, attention, etc.

all mental and physical activities are ordered, operated, and controlled by the brain. Are controlled.

मन या मस्तिष्क के स्तर (Levels of Minds) -

जर्मन मनोवैज्ञानिक सिग्मण्ड फ्रायड (Sigmund Freud) के अनुसार मन के तीन स्तर (stages) हैं-

According to German psychologist Sigmund Freud, there are three stages of mind-

1. चेतन मन (Conscious mind)

2. अर्द्ध-चेतन मन (Sub-conscious mind)

nursingguan.com

3. अचेतन मन (Unconscious mind)

1. चेतन मन (Conscious Mind) -

चेतन मन केवल जागरूक अवस्था में ही कार्य करता है। व्यक्ति चेतन अवस्था में ही अपने आस-पास की घटनाओं का ज्ञान प्राप्त करता है तथा उसके प्रति अपनी प्रतिक्रिया दर्शाता है।

फ्रायड (Freud) के अनुसार चेतन मन में यह सब कुछ शामिल है, जो हम सोचते हैं और तर्कपूर्ण (meaningful) बात करते हैं, जिसका सम्बन्ध तुरन्त ज्ञान से है।

इससे हमारे जीवन में जागरूकता (awareness) लाई जा सकती है, और ये हमारी स्मृति में शामिल है।" फ्रायड के अनुसार चेतन मन को दो भागों में बांटा जा सकता है-

Conscious mind works only in conscious state. It is only in the conscious state that a person acquires knowledge of the events around him and shows his reaction towards them.

According to Freud, the conscious mind includes everything that we think and say logically, which is related to immediate knowledge.

This can bring awareness to our life, and it is included in our memory." According to Freud, the conscious mind can be divided into two parts-

(a) चेतना का केन्द्र (Focus of Consciousness)

जो वस्तु या उद्दीपन (stimulant) चेतना के केन्द्र में होते हैं, उन पर व्यक्ति का ध्यान सर्वाधिक जाता है तथा उसका ज्ञान भी स्पष्ट होता है, जिन पर व्यक्ति अधिक ध्यान केन्द्रित करता है।

Those objects or stimuli which are in the center of consciousness, the person gets the most attention and his knowledge is also clear on those on which the person focuses more.

(b) चेतना का सीमा-प्रदेश (Margin of Consciousness) -

चेतना के केन्द्र के आस-पास का क्षेत्र, जिसमें स्थित उद्दीपक धुंधले या अस्पष्ट दिखाई देते हैं, चेतना का

nursingyan.com

सीमा प्रदेश कहलाता है।

यह वह क्षेत्र है, जिसके एक तरफ उद्दीपकों का तो व्यक्ति को स्पष्ट ज्ञान होता है, परन्तु दूसरी ओर स्थित उद्दीपकों का स्पष्ट ज्ञान नहीं होता है।

The area around the center of consciousness, in which the stimuli located appear blurry or unclear, is called the border region of consciousness.

This is the area in which the person has clear knowledge of the stimuli on one side, but does not have clear knowledge of the stimuli located on the other side.

विशेषताएँ (Characteristics): चेतन मन में निम्न विशेषताएँ पायी जाती हैं-

The following characteristics are found in the conscious mind-

• यह मन की जाग्रत अवस्था होती है।

• इसमें निरन्तर परिवर्तन होता है।

• चेतना मार्ग-दर्शन का काम करती है।

• चेतना में निरंतरता (essentiality) होती है।

• यह वस्तुओं को सकारात्मक (positive) या नकारात्मक (negative), दोहरे रूप में देखती है

• This is the waking state of the mind.

• There is continuous change in it.

2. अर्द्ध-चेतन मन (Sub-conscious mind) :

इसे Pre-conscious mind के नाम से भी जाना जाता है। Pre- conscious mind (अर्द्ध-चेतन मन) व्यक्ति की साधारण स्मृति का प्रतिनिधित्व करता है।

इस भाग का संबंध ऐसी भूली हुई सामग्री से होता है जिसे इच्छानुसार कभी-कभी याद किया जा सकता है। यह भूली हुई यादों के संग्राहक के रूप में कार्य करता है।

nursingyan.com

फ्रायड ने अर्द्ध-चेतन की तुलना बड़े कमरे से की है, जिसमें लाखों बातें संग्रहीत रहती हैं तथा उन्हें आवश्यकतानुसार याद किया जा सकता है।

यह एक प्रहरी (doorkeeper) की तरह काम करता है, जरूरत पड़ने पर ही बातों को चेतन मन में जाने देता है।

यह अधिकांश विचारों को अपने पास दमित (repressed) करके संग्रहीत कर लेता है।

It is also known as pre-conscious mind. Pre-conscious mind (semi-conscious mind) represents the ordinary memory of the individual.

This section deals with forgotten material that can be recalled at times of desire. It acts as a collector of forgotten memories.

Freud compared the semi-conscious to a big room, in which millions of things are stored and can be recalled as needed.

It acts like a doorkeeper, letting things into the conscious mind only when necessary. It represses and stores most of the thoughts with itself.

विशेषताएँ (Characteristics): अर्द्ध-चेतन मन की विशेषताएं निम्न हैं-

Following are the characteristics of semi-conscious mind-

• यह चेतन मन की अपेक्षा अधिक विचारों का संग्रहण करता है।

• इसमें संग्रहीत सामग्री सक्रिय होती है।

• इसमें संग्रहीत विचारों की मात्रा व्यक्ति के ध्यान पर निर्भर करती है।

• इसमें संग्रहीत विचारों को चेतन मन में लाया जा सकता है।

• It stores more thoughts than the conscious mind.

• The material stored in it is activated.

• The amount of thoughts stored in it depends on the attention of the person.

• The ideas stored in it can be brought into the conscious mind

nursingguan.com

3. अचेतन मन (Unconscious Mind):

अचेतन मन, मन का सबस बड़ा गोदाम है, जिसमें जीवन भर की दमित इच्छाएं, भावनाएं, विचार, अनुभव संग्रहीत रहते हैं, यदि कोई सामग्री अचेतन मन में चली जाती है तो उसे याद करना या चेतन मन में लाना मुश्किल है।

unconscious mind is the most important part of the mind. It is a big warehouse, in which the repressed desires, emotions, thoughts, experiences of the whole life are stored, if any material goes into the unconscious mind then it is difficult to remember it or bring it into the conscious mind.

विशेषताएँ (Characteristics): अचेतन मन की विशेषताएं निम्न हैं-

: Following are the characteristics of unconscious mind-

• अचेतन मन में दमित सामग्री का संग्रहण किया जाता है।

• यह चेतन मन से अधिक बड़ा व गहरा होता है।

• इसे अचेतन प्रेरणा भी कहा जाता है।

• इस सिद्धांत की तुलना फ्रायड के आइस-वर्ग सिद्धांत से की गई है।

• Repressed material is stored in the unconscious mind.

• It is bigger and deeper than the conscious mind.

• It is also called unconscious motivation.

• This theory has been compared to Freud's ice-square theory

फ्रायड का आइस-वर्ग सिद्धांत (Freud's Ice-piece Principle) -

फ्रायड ने मन की तीनों अवस्थाओं को समझने के लिए हिमखण्ड का एक उदाहरण दिया।

पानी में डूबा हुआ हिम-खण्ड (ice- piece) के ऊपर का हिस्सा (पानी की सतह से ऊपर का) चेतन

nursinggyan.com

मन (Conscious mind), पानी के नीचे जलमग्न (न दिखने वाला) हिस्सा अचेतन मन (Unconscious mind), और पानी की सतह पर दिखने वाला भाग अर्द्ध-चेतन मन (Pre-conscious mind) को दर्शाता है।

Freud gave an example of iceberg to understand the three states of mind. The part above the ice-piece immersed in water (above the surface of the water) is the conscious mind, the part submerged under water (not visible) is the unconscious mind, and water The part visible on the surface represents the semi-conscious mind.

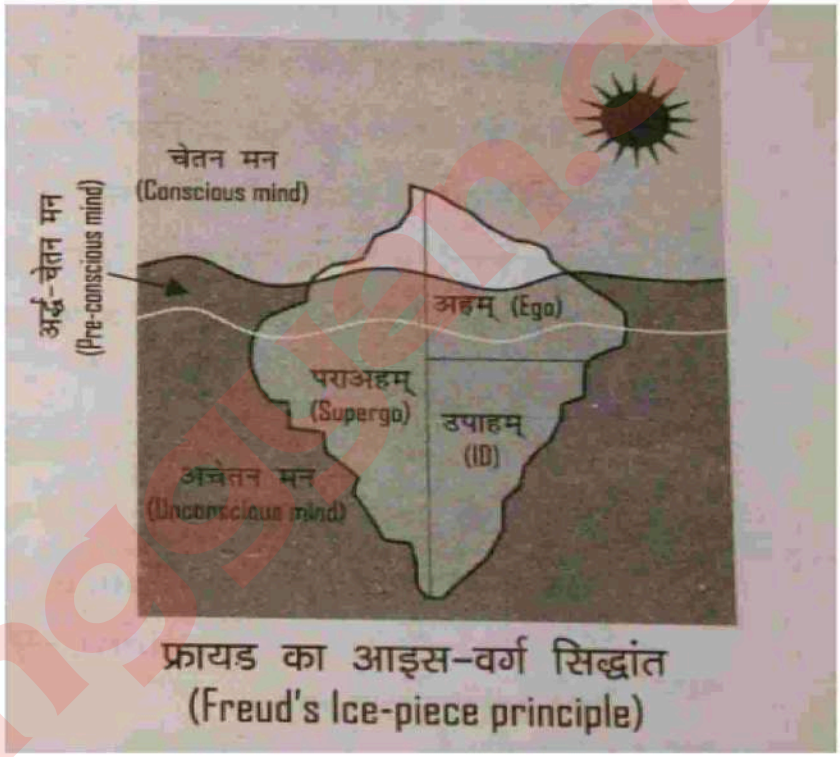

फ्रायड का आइस-वर्ग सिद्धांत
(Freud's Ice-piece principle)

Q. फ्रायड का मन-संरचना मॉडल क्या है?

What is the Freud's Structural Model of Mind?

Or

व्यक्तित्व में उपाहम, अहम, पराअहम को वर्णित कीजिए।

Describe the ID, Ego and Super Ego in personality.

उत्तर- फ्रायड का मन-संरचना माडल (Freud's Structural Model of Mind) -

सिग्मण्ड फ्रायड ने सन् 1923 में मन के संरचनात्मक माडल को परिभाषित किया, जो हमारे मानसिक जीवन को वर्णित करते हैं।

nursinggyan.com

इस सिद्धांत के अनुसार व्यक्तित्व का निर्माण तीन उपतन्त्रों (sub-systems) द्वारा होता है-

Sigmund Freud in 1923 Defined the structural model of the mind, which describes our mental life.

According to this theory, personality is formed by three sub-systems-

1. उपाहम/इदम् (ID)

2. अहम् (Ego)

3. पराअहम् (Super Ego)

1. उपाहम/इवम् (ID)

• ID एक लैटिन शब्द है, जिसका हिन्दी अर्थ "यह" (It) होता है। ID मनुष्य की नैसर्गिक, सहजवृत्ति और व्यक्तित्व की संरचना को प्रकट करता है।

• ID किसी व्यक्ति में जन्म से मौजूद अभिन्न हिस्सा है, जो विशेष रूप से हमारी यौन इच्छाओं, आवेगों, आक्रामकताओं और शारीरिक आवश्यकताओं का स्रोत (source) है।

• ID (उपाहम) का वास्तविकता से कोई संबंध नहीं होता। यह अचेतन (unconscious) स्तर पर काम करता है जो सहजवृत्ति (instinct) प्राथमिकता पर जोर देता है।

• इदम् को खुशी का सिद्धांत (Principles of Pleasure) के रूप में भी जाना जाता है। यह हमारे मन से दर्द या दुख जैसी स्थिति से बचने की मांग करता है।

• इदम् को अच्छे-बुरे का ज्ञान नहीं होता है।

• यह किसी भी इच्छा की तुरन्त संतुष्टि पर जोर देता है।

• इदम् हमारे व्यक्तित्व का दुर्गम हिस्सा है और उसमें से अधिकांश नकारात्मक चरित्र के रूप में वर्णित है, जिससे यह सहज ज्ञान तक पहुंचने और जीवन में ऊर्जा भरने का कार्य करता है।

• ID is a Latin word, which means "It" in Hindi. ID reveals man's natural, instinctive and personality structure.

• The ID is an integral part of a person present from birth, which is specifically the source of our sexual desires, impulses, aggressions and physical needs.

nursingjan.com

• ID (metaphor) has no relation to reality. It works at an unconscious level which gives priority to instinct.

• Id is also known as the Principles of Pleasure. It demands our mind to avoid situations like pain or suffering.

• Idam has no knowledge of good and evil.

• It emphasizes immediate satisfaction of any desire.

• The Id is the inaccessible part of our personality and is mostly described as negative in character, allowing it to access intuitive knowledge and energize life.

2. अहम् (Ego)

• Ego (the "I", Self, मैं/अहम्) वास्तविकता के सिद्धांत के अनुसार कार्य करता है।

• फ्रायड से पहले Ego शब्द को स्वयं की भावना के मतलब के लिए (secure of self) सम्बोधित किया जाता था, परन्तु बाद में इसे सहिष्णुता (tolerance), नियंत्रण (control), योजना (planning), रक्षा (defence), सूचना का संश्लेषण (synthesis of information), स्मृति (memory) के रूप में और मानसिक कार्यों को करने वाला नैतिकतापूर्ण निर्णय लेने वाला बताया गया।

• Ego वास्तविकता को अलग करता है। यह हमारी सोच और समझ को व्यवस्थित करता है और हमारे आस-पास की दुनिया बनाने में हमारी मदद करता है।

• इसे उपाहम (ID) से ऊर्जा प्राप्त होती है।

• Ego उपाहम पर नियंत्रक की तरह कार्य करता है।

• इसे द्वितीयक चिन्तन प्रक्रिया "secondary thinking process" भी कहा जाता है।

• इसके अधिकांश कार्य चेतन अवस्था में व कुछ कार्य अचेतन अवस्था में सम्पन्न होते हैं।

• इसे "seat of consciousness" भी कहा जाता है।

• यह इदम् (ID) व पराअहम् (super ego) के मध्य सन्तुलन का कार्य करता है।

• "Ego (अहम्), इदम् (ID) और परा अहम् (super ego) के बीच मध्यस्थता का काम करता है।

nursingguan.com

Ego (अहम्) में बचाव (defence) की मुद्रा, अवधारणात्मक (perceptional), बौद्धिक (Intellectual), संज्ञानात्मक (Cognitive) और कार्यकारी (Functional) कार्य भी शामिल हैं।"

• Ego (the "I", Self) functions according to the principle of reality.

• Before Freud, the word Ego was used to mean secure sense of self, but later it was used to mean tolerance, control, planning, defense, information. It was described as synthesis of information, memory and making moral decisions that performs mental functions.

• Ego separates reality. It organizes our thinking and understanding and helps us make sense of the world around us.

• It receives energy from the enzyme (ID).

• Ego acts as a controller on the metaphor.

• This is also called "secondary thinking process".

• Most of its work is done in conscious state and some work is done in unconscious state.

• It is also called "seat of consciousness".

• It acts as a balance between the ID and the super ego.

• "Ego (Aham), acts as a mediator between Idam (ID) and Para Aham (super ego).

Rescue in Ego (Aham).Defense posture, perceptual, intellectual, cognitive and executive functions are also included.

3. पराअहम् (Super ego):

Super ego (पराअहम्) मुख्य रूप से मनुष्य को उसके माता-पिता द्वारा सिखाया गया सांस्कृतिक (cultural) नियम है जो internalization प्रभाव व्यक्त करता है, जोकि मनुष्य को मार्गदर्शन और प्रभाव लागू करने में मदद करता है।

Superego is mainly the cultural rules taught to man by his parents that express

nursinggyan.com

internalization effects, which help man to guide and exert influence. .

• इसे "higher self" भी कहते हैं।

• Superego व्यक्ति को अपने नैतिक कर्तव्यों से अवगत कराता है।

• यह व्यक्ति के आदर्शों, आध्यात्मिक लक्ष्यों, विवेक का संगठित हिस्सा है जो किसी व्यक्तिगत आलोचनाओं को प्रतिबन्धित कर स्वयं की इच्छाओं, कल्पनाओं, भावनाओं के अनुरूप कार्य करता है।

• Super ego अचेतन स्तर पर कार्य करता है।

• पराअहम् समय के साथ-साथ व्यक्ति में विकसित होते हैं।

• यह आदर्शवादी सिद्धांत पर कार्य करता है।

• यह अहम् को आदेश प्रदान कर दमन द्वारा अवांछित इच्छाओं पर नियंत्रण करता है।

• Ego में निर्णय दूसरों के बारे में सोचना होता है, लेकिन उसका क्या परिणाम होगा,

• It is also called “higher self”.

• Superego makes the person aware of his moral duties.

• It is an organized part of a person's ideals, spiritual goals, conscience which restricts any personal criticism and acts in accordance with one's own desires, imaginations and feelings.

• Superego works at the unconscious level.

• Superegos develop within a person over time.

• It works on idealistic principle.

• It controls unwanted desires by giving command to the ego and suppressing them.

• In Ego the decision is to think about others, but what will be the result.

nursingyan.com